HINDUSTAN PAGE 6

विवि का विद्यार्थी जीवन मेरे लिए महाकाव्य है

लखनऊ विश्वविद्यालय 100 साल — कुछ यादें कुछ किस्से 30

प्रो रवीन्द्र प्रताप सिंह,

जब बात किस्से कहानियों की होती है, यादों की होती है, तो विश्वविद्यालय में छात्र यात्रा के दौरान अपने आपसे किये गए वादों की रुमानियत व संघर्ष के वो पल याद आ जाते हैं। विश्विविद्यालय की राजनीतिक गहमागहमी और एक विस्तृत और बिखरे हुए मन को संगठित करने की निरंतर उथल पुथल यहां रोज़ नये सृजन करती थी। रोज़ नयी शक्ति देती थी, एक ऐसा पात्र बन जाने का, जहां की पृष्ठिभूमि लखनऊ विवि हो।

छात्र जीवन में विश्वविद्यालय की मुख्य धारा से जुड़ने की उत्कंठा और ज्ञानमार्गी, प्रगतियोन्मुख चाह से प्रेरित अध्ययन की सतत चेतना हमेशा मेरे मन को झंझोड़ती रहती थी। लखनऊ विश्वविद्यालय का विद्यार्थी जीवन मेरे लिए एक महाकाव्य रहा है। विश्वविद्यालय की समग्र शिक्षा की परिपाटी ने हमें उत्कृष्ट सैद्धांतिक ज्ञान तो दिया ही दिया, साथ ही ऐसे कथानकों, पात्रों और शब्दों की सृजनात्मक श्रृंखलाओं से न केवल परिचित कराया बल्कि सही मायने में साहित्य और भाषा की समझ पैदा की। मानवीय गुणों के साथ ही सामाजिक और मनोवैज्ञानिक पहलुओं के विश्लेषण की क्षमता भी यहीं से मिली जो लेखन के लिए जरूरी होते हैं। यहीं का एक किस्सा मेरे एक नाटक फ़ूली मार्किट एंड अदर प्लेज़ के कुछ पात्रों को गढ़ता है। 'अ साइटिस्ट इ' की पटकथा विश्वविद्यालय के प्रांगण को परिलक्षित करती है। समाज और राजनीति की सम्यक समझ जो छात्रजीवन में बलरामपुर छात्रावास में रहते हुए विकसित हुई वह शालीनता के फिसलन भरे मार्ग पर मजबूत पकड़ देती है। मेरा साहित्यिक लेखन मेरे विश्वविद्यालय जीवन से पोषित होता है। मेरे नाटक 'यस इट गोज', 'एकलव्य', 'सी माय कर्ल्स', द एक्स्पायर्ड, 'शेक्सपियर की सात रातें', 'दुग्धिका', अंतर्द्वन्द, और काव्यसंकलन 'बंजारन द म्यूज' इसके उदहारण हैं। जिनमें छात्र जीवन से लेकर वर्तमान में प्रोफेसर के रूप में कार्य करते हुए इर्द गिर्द रहने वाले बहुत से लोग मिलते हैं। मेरी नाट्यकृतियों के लिए हमें मोहन राकेश पुरस्कार एवं भारतेन्दु हरिश्चंद्र पुरस्कर, शिक्षक श्री, सारस्वत, स्वामी विवेकानंद लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड समेत 14 सम्मान मिले हैं। यह सम्मान, प्यार, पहचान, भाषा, साहित्य सब कुछ, मेरे अपने लखनऊ विश्वविद्यालय की वजह से हैं।

-प्रो रवीन्द्र प्रताप सिंह,
लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र एवं वर्तमान में यहीं अंग्रेजी विभाग में प्रोफेसर हैं।

NBT PAGE 2

एलयू से संबद्ध होंगे चार जिलों के 361 कॉलेज

सालाना एक अरब रुपये की होगी आमदनी

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय से हरदोई, सीतापुर, रायबरेली, लखीमपुर के 361 कॉलेज जुड़ेंगे। इससे एलयू को करीब एक अरब रुपये की सालाना आमदनी होगी। इस बात को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन में चर्चा जोरों पर है। हालांकि इतनी बड़ी आमदनी होने से बीते कई वर्षों से वित्तीय संकट से जूझ रहे एलयू को काफी राहत मिलेगी।

पहले साल करीब 25 करोड़ तक कमाएगा एलयू : नए कॉलेजों के जुड़ने से एलयू को पहले साल करीब 1.25 लाख स्टूडेंट्स मिलेंगे। इनके परीक्षा फॉर्म भरने से एलयू को करीब 25 करोड़ रुपये का राजस्व इकट्ठा होने की उम्मीद है। वहीं, अगले तीन और चार सालों में यह धनराशि करीब एक अरब तक पहुंच जाएगी।

170 कॉलेज अब तक संबद्ध हैं एलयू से

1.15 लाख के करीब यूजी और पीजी की सीटें हैं एलयू और कॉलेज में मिलाकर

20 हजार के करीब यूजी और पीजी की सीटें हैं एलयू में

सबसे ज्यादा कॉलेज हरदोई के

हरदोई	135 कॉलेज
सीतापुर	82 कॉलेज
रायबरेली	86 कॉलेज
लखीमपुर	58 कॉलेज

"अगले सत्र इन सभी कॉलेजों और उनके स्टूडेंट्स के जोड़ने के लिए मुख्य बिंदुओं पर प्राथमिकता से काम करना है। इसके लिए एक माह के अंदर असेसमेंट पूरा कर लिया जाएगा। इतनी बड़ी संख्या में कॉलेजों के जुड़ने से एलयू को वित्तीय संकट से निपटने में जरूर मदद मिलेगी। *-प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, एलयू*

एलयू में सिर्फ 1200 विद्यार्थियों को अलॉट होंगे हॉस्टल

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय में स्टूडेंट्स के लिए हॉस्टल एलॉटमेंट की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस वर्ष करीब 2000 नए विद्यार्थियों ने हॉस्टल के लिए आवेदन किया है। कोविड-19 और एलयू के चार बड़े छात्रावासों में मरम्मत होने के कारण मौजूदा समय में सिर्फ 1200 स्टूडेंट्स को ही हॉस्टल अलॉट किया जा रहा है। बाकी स्टूडेंट्स को रहने के लिए खुद ही ठिकाना ढूंढना पड़ेगा। एलयू के न्यू और ओल्ड कैंपस में कुल 17 छात्रावास हैं। इसमें से 7 छात्राओं और 10 छात्रों के हैं।

मरम्मत के चलते नहीं अलॉट हो पा रहे कमरे

डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि कुलपति के निर्देश पर इस वर्ष हॉस्टल में रहने और खाने की सुविधा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसलिए एलयू के चार बड़े हॉस्टलों की मरम्मत करवाई जा रही है। प्रो. टंडन ने बताया कि हालांकि मरम्मत के चलते अभी सिर्फ 1200 स्टूडेंट्स को ही हॉस्टल अलॉट किया जा रहा है। मरम्मत हो जाने पर आवेदनों में से हॉस्टल अलॉट किए जाने की प्रक्रिया जारी रहेगी।

छात्रावासों में चल रहा मरम्मत का काम।

कोविड-19 प्रोटोकॉल का करना होगा पालन

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इस वर्ष शहर के बाहर रहने वाले स्टूडेंट्स को कैंपस में बुलाना, पढ़ाना और फिर उनके रहने-खाने का इंतजाम करना बड़ी चुनौती है। कोविड-19 के मद्देनजर हॉस्टल में रहने के लिए नियम बनाए गए हैं, जिनका पालन स्टूडेंट्स को करना होगा। हॉस्टल में जिन कमरों में दो बेड के बीच छह फुट से अधिक की दूरी है, उनमें दो स्टूडेंट्स वहीं, जो कमरे छोटे हैं उनमें एक स्टूडेंट के रुकने की सुविधा दी जा रही है।

बढ़ी विदेशी स्टूडेंट्स की संख्या

प्रो. टंडन ने बताया कि इस वर्ष हॉस्टल्स में विदेशी स्टूडेंट्स की संख्या भी बढ़ी है। इसलिए कैसरबाग स्थित बलरामपुर छात्रावास के छात्रों को एनडी छात्रावास में शिफ्ट किया जाएगा। इस वर्ष करीब 100 विदेशी छात्रों और करीब 60 विदेशी छात्राओं को हॉस्टल अलॉट किए जाएंगे।

PIONEER PAGE 3

चार जिलों के 361 कॉलेजों के जुड़ने से विवि को होगी एक अरब की आय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आत्मनिर्भर बनने की राह में लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने कदम बढ़ा दिए हैं। सीमा विस्तार में वृद्धि होने के बाद शामिल 4 जिलों के 361 कॉलेजों के जुड़ने के बाद विवि प्रशासन की केवल इन्ही कालेजों से एक अरब रुपये के आसपास कमाई होगी। एलयू प्रशासन के अभी तक अपने खर्चों को पूरा करने के लिए जहां सरकार से ग्रांट के अलावा अपने विभिन्न मदों से होने वाले आमदनी पर निर्भर रहना होता था। इसके बाद भी यूनिवर्सिटी का सालाना बजट हर साल घाटे में ही रहता था, पर अगले साल से सेशन से एलयू के आर्थिक संकट खत्म हो जाएगा। जिन चार जिलों को शासन ने लखनऊ यूनिवर्सिटी के टेरिटरी से जोड़ा हैं, उन कॉलेजों से यूनिवर्सिटी सालाना करीब एक अरब से अधिक की आमदनी होने की संभावना हैं।

शासन ने सीतापुर, रायबरेली, हरदोई और लखीमपुर जिलों के डिग्री कॉलेजों को लखनऊ यूनिवर्सिटी से जोड़ा है। इन जिलों में संचालित 361 डिग्री कॉलेजों को एलयू अब नए सेशन से अपने एकेडमिक सेशन के अनुसार संचालित करेगा। यूनिवर्सिटी के अधिकारियों का कहना है कि इन कॉलेजों के जुड़ने से एलयू को केवल एग्जाम फीस के मद में करीब 85 करोड़ से अधिक रुपए का सालना आमदनी होने का अनुमान हैं। इसके अलावा अगर कोई कॉलेज नए कोर्स की मान्यता लेगा तो वह एलयू को एफिलिएशन के लिए एक लाख रुपए प्रति कोर्स के अनुसार फीस जमा करेगा। साथ ही कई और दूसरे मदों में भी यूनिवर्सिटी को आर्थिक तौर पर राहत मिलेगा।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

नोबल इंस्टिट्यूट के विद्यार्थी बोरा इंस्टिट्यूट में देंगे परीक्षा

■ एनबीटी, लखनऊः नोबल इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ऐंड टेक्नोलॉजी के बीकॉम के 21 स्टूडेंट्स अब वोरा इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी में परीक्षा देंगे। शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय ने यह फैसला किया। इस महाविद्यालय में अचानक बीच सत्र में ताला लग जाने से स्टूडेंट्स परीक्षा को लेकर परेशान थे और एलयू कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय से गुहार लगाई थी।

एलयू कुलपति ने निकाला हल

शुक्रवार को भी नोबल इंस्टिट्यूट के अक्षय प्रताप, सौम्या सिंह, विशाल गुप्ता, शोभा शुक्ला समेत 15 विद्यार्थियों ने विवि पहुंचकर कुलपति से मुलाकात की। इस पर कुलपति ने इन सभी स्टूडेंट्स का ट्रांसफर सीतापुर रोड स्थित वोरा इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी में कर दिया।

नोबल इंस्टीट्यूट के विद्यार्थी बोरा कॉलेज में स्थानांतरित

लखनऊ। नोबल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के बीकॉम के विद्यार्थी अब आगे की पढ़ाई बोरा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में कर सकेंगे। लविवि वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने विद्यार्थियों की मांग पर अपनी सहमति दे दी है। यह आदेश प्रवेश समिति के सूचनार्थ भी भेजा जाएगा। नोबल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के बीकॉम के विद्यार्थियों ने लविवि में पिछले सप्ताह कुलपति से मिलकर शिकायत दर्ज कराई थी। उनका कहना था कि कॉलेज बंद हो चुका है। इससे उनका भविष्य अधर में है। कुलपति ने विद्यार्थियों से एक सप्ताह का समय मांगा था। इसके बाद 21 छात्रों का स्थानांतरण सीतापुर रोड स्थित बोरा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में कर दिया गया। सभी छात्र वहां से अपनी पढ़ाई पूरी कर सकते हैं। इन्हें परीक्षा देने का मौका भी मिलेगा। यहां तक कि बैक पेपर और इम्प्रूवमेंट के परीक्षा फॉर्म भी बोरा कॉलेज से ही भरे जाएंगे।

i-NEXT PAGE 1

अगले साल चार जिलों के 361 कॉलेज होंगे संबद्ध

2021 में एलयू का भरेगा खजाना

CONCEPT PIC

i EXCLUSIVE **LUCKNOW (18 Dec, inext):** शासन ने एलयू को सौ वर्ष पूरे होने पर चार जिलों के कॉलेजों को संबद्ध करने की सौगात दी है. इससे यूनिवर्सिटी आर्थिक रूप से मजबूत होगी. अभी तक एलयू प्रशासन को अपने खर्चों को पूरा करने के लिए सरकार से ग्रांट और विभिन्न मदों से होने वाली आमदनी पर निर्भर रहना होता था. इसके बाद भी यूनिवर्सिटी का सालाना बजट हर साल घाटे में ही रहता था. वहीं अगले साल के सेशन से एलयू का आर्थिक संकट खत्म हो जाएगा. एलयू की संबद्धता का दायरा बढ़ाते हुए जिन चार जिलों को जोड़ा है उससे सालाना इनकम एक अरब से अधिक होने की संभावना है. पेश है **श्याम चंद्र सिंह** की रिपोर्ट...

150 करोड़ एलयू में सैलरी पर होता है खर्च

32 करोड़ की सालाना ग्रांट देती है सरकार

85 करोड़ एक्स्ट्रा इनकम की उम्मीद

खर्च पूरा करने को अभी तक यूनिवर्सिटी सरकार की ग्रांट पर निर्भर थी

हर साल होने वाले घाटे के बजट से उभरेगी यूनिवर्सिटी

एलयू पर केवल सैलरी का बहुत दबाव

मौजूद समय में एलयू प्रशासन सिर्फ शिक्षकों और कर्मचारियों की सैलरी पर ही 150 करोड़ खर्च करता है. इसके एवज में एलयू को शासन की ओर से 32 करोड़ रुपए का सालाना ग्रांट मिलती है. शेष पैसा यूनिवर्सिटी अपनी आमदनी से पूरा करती है. मौजूदा समय को एलयू को शासन के अलावा कही और से ग्रांट या बजट नही मिल रहा है.

नोबल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी की मान्यता रद

बख्शी का तालाब के कमलापुर सिरसा स्थित नोबल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी की मान्यता लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) ने रद कर दी है. यहां पढ़ रहे विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों को सीतापुर रोड स्थित बोरा इंस्टीट्यूट में शिफ्ट किया जाएगा. नोबल कॉलेज अपनी अस्थाई मान्यता का नवीनीकरण नही करा रहा था और न ही विद्यार्थियों को पढ़ा रहा था. »PG 4

कई मदों में बढ़ेगी आमदनी

शासन ने सीतापुर, रायबरेली, हरदोई और लखीमपुर जिलों के डिग्री कॉलेजों को लखनऊ यूनिवर्सिटी से जोड़ा है. इन जिलों में संचालित 361 डिग्री कॉलेजों को एलयू अब नए सेशन से अपने एकेडमिक सेशन के अनुसार संचालित करेगा. यूनिवर्सिटी के अधिकारियों का कहना है कि इन कॉलेजों के जुड़ने से एलयू को केवल एग्जाम फीस के मद में करीब 85 करोड़ से अधिक की आमदनी होने की संभावना है.

आर्थिक रूप से मिलेगा लाभ

इसके अलावा अगर कोई कॉलेज नए कोर्स की मान्यता लेगा तो वह एलयू **केवल एग्जाम फीस के मद में करीब 85 करोड़ से अधिक की आमदनी होने की संभावना है.** को संबद्धता के लिए एक लाख प्रति कोर्स के अनुसार फीस जमा करेगा. साथ ही कई और दूसरे मदों में भी यूनिवर्सिटी को आर्थिक तौर पर राहत मिलेगी, जिससे शिक्षा का स्तर और सुधारा जायेगा.

यहां के कॉलेज एलयू से जुड़े

कुल 361 कॉलेजः ● हरदोई- 135 डिग्री कॉलेज ● सीतापुर- 82 डिग्री कॉलेज ● रायबरेली- 86 डिग्री कॉलेज ● लखीमपुर- 58 डिग्री कॉलेज

पांच हजार एग्जाम फीस के रूप में

अभी एलयू दो सेमेस्टर एग्जाम के लिए प्रति स्टूडेंट्स पांच हजार रुपए लेता है. एलयू से जिन चार जिलों के कॉलेजों को जोड़ा गया है उनसे औसतन दो लाख स्टूडेंट्स अगले तीन साल में एलयू से जुड़ जाएंगे. इससे एलयू को 85 करोड़ रुपए मिलना शुरू हो जाएंगे.

LUCKNOW CALLING!

एलयू की आय में बढ़ोत्तरी होने से क्या यूनिवर्सिटी में शिक्षा का स्तर और सुधरेगा?

हमें व्हाट्सएप करें 7275932460

VISHWAVARTA PAGE 5

नोबल इंस्टीट्यूट के छात्र बोरा इंस्टीट्यूट में कर सकेंगे पढ़ाई

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के आदेश के बाद नोबल इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के बीकॉम के विद्यार्थियों की पढ़ाई और उनकी परीक्षा देने का रास्ता साफ हो गया है। यह विद्यार्थी अब बोरा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से बीकाम की परीक्षा दे सकेंगे। कुलपति ने नोबल विद्यार्थियों को बोरा इंस्टीट्यूट में ट्रांसफर करने का आदेश जारी कर दिया है।

नोबल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी के बंद हो जाने के बाद बीकॉम में पढ़ने वाले विद्यार्थी अपनी परीक्षा और पढ़ाई को लेकर काफी परेशान थे। उन्होंने अपने भविष्य को लेकर लविवि में प्रदर्शन भी किया था। इसके बाद कुलपति से मुलाकात की थी। उन्होंने कुलपति को बताया था कि कॉलेज से बीकॉम की पढ़ाई कर रहे है। वह कॉलेज बन्द हो चुका है। कॉलेज प्रशासन ने विद्यार्थियों को बिना सूचना दिए हुए कॉलेज बंद कर दिया है। कुलपति ने उनकी बात सुनने के बाद समस्या के समाधान के लिए सभी विद्यार्थियों से एक हफ्ते का समय मांगा था।

कुलपति ने सभी छात्रों का किया ट्रांसफर

शुक्रवार को नोबल इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के विद्यार्थी अक्षय प्रताप सिंह चौहान, सौम्या सिंह, विशाल गुप्ता, शोभा शुक्ला सहित 15 से 20 विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय पहुंचकर कुलपति से मुलाकात की। कुलपति ने कहा कि सभी विद्यार्थियों का ट्रांसफर सीतापुर रोड स्थित बोरा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में कर दिया गया है। सभी विद्यार्थियों वहां से अपनी पढ़ाई पूरी कर सकते हैं। सभी बीकॉम में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का फॉर्म भरा जाएगा और सभी को परीक्षा देने का मौका भी मिलेगा। किसी भी विद्यार्थी को परेशान होने की जरूरत नहीं है।

"नोबल इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी के बीकॉम व बीबीए के समस्त छात्रों को बोरा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में ट्रांसफर कर दिया गया है।
- प्रो .आलोक कुमार राय, कुलपति, लविवि